अपराध की ओर अग्रसर युवाओं को देखकर जागृत हुआ उनके प्रति कुछ करने का संकल्प :

रविशंकर राय

प्रवीण सिंह

सशक्तिकरण करते हुए आगे बढ़ने वाले उद्यमी हमारे जीने और काम करने के तरीके को बदल सकते हैं। यदि सफल होते हैं तो उनके नवाचार हमारे जीवन स्तर में सुधार कर सकते हैं और उनके उद्यमशील उपक्रम धनोपार्जन के अलावा, एक समृद्ध समाज के लिए रोजगार सृजन की परिस्थितियां भी बनाते हैं। कभी बहुत छोटे से स्तर पर अपने कारोबार की शुरूआत करने वाले और वर्तमान में दूरसंचार क्षेत्र बड़े खिलाड़ी रविशंकर राय ऐसे ही उद्यमी हैं। अपने करियर के शुरूआती दौर में नौकरी करने वाले श्री राय वर्तमान में दूरसंचार उद्योग में एक प्रतिष्ठित नाम हैं। वर्तमान में श्री राय विगत वर्षों में स्वयं निर्धारित लक्ष्य के तहत अपने प्रयास के माध्यम से न केवल व्यवसाय को सुदृढ़ बनाने में सक्षम रहे हैं, बल्कि अपनी क्षमता के अनुरूप समाज की सेवा और सुधार में भी जुटे हैं। नौकरी-पेशा युवा से उद्यमी बनने के पीछे उनकी लगन, मेहनत और योग्यता के साथ ही समाज के प्रति कुछ अच्छा करने का संकल्प कहें कि इच्छा शक्ति भी बड़ा कारण रहा है। मासिक पत्रिका 'गौरवशाली भारत' के सम्पादक प्रवीण कुमार सिंह ने दूरसंचार क्षेत्र के सफल उद्यमी, सावित्री समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और

'सावित्री समूह' बना वट वृक्ष

कहा जाता है कि इरादे नेक हों तो, सभी सपने साकार होते हैं, अगर सच्ची लगन हो अपनी, तो मंजिल को जाने वाले रास्ते सारे, आसान होते हैं। इन्हीं शब्दों को चरितार्थ करते हुए रविशंकर राय द्वारा आज से लगभग 21 वर्ष पूर्व सन- 1999 में रोपा गया 'सावित्री समूह' नाम का यह पौधा अब अपनी विभिन्न ईकाईयों के बूते वट वृक्ष बनने की ओर निरंतर अग्रसर है और लगभग 1600 से अधिक कार्मिकों को रोजगार रूपी फल से आच्छादित कर रहा है।

'सावित्री समूह' के साथ मुख्य रूप से दूरसंचार क्षेत्र के सैंकड़ों तकनीकी विशेषज्ञों संग अन्य अनेक उच्च कुशल पेशेवर काम कर रहे हैं।

श्री राय के कुशल नेतृत्व में दिन-प्रतिदिन प्रगति कर रहा 'सावित्री समूह' सफलता की नई ऊंचाईयों की ओर अग्रसर है।

सावित्री दूरसंचार सेवाएं, सावित्री टेलीकॉम प्रा. लिमिटेड, सावित्री होल्डिंग प्रा. लिमिटेड, सावित्री टेक्नो इंडस्ट्रीज लि. आदि वह प्रमुख शाखाएं हैं जो 'सावित्री समूह' को वट वृक्ष बनाती हैं। 'सावित्री समूह' की कंपनियां कई व्यावसायिक क्षेत्रों में सक्रिय है। इनमें दूरसंचार क्षेत्र में उत्पाद, सेवा और समाधान के पूर्ण पोर्टफोलियो को कवर करना शामिल हैं। इसके साथ ही समूह भारतीय बाजार के लिए विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी-नेटवर्किंग, सीएटीवी और सीसीटीवी समेत सुरक्षा निगरानी से संबंधित सभी समाधानों संग शैक्षिक, रेलवे, गैस, तेल, रक्षा, सुरक्षा और पर्यावरण क्षेत्रों में सेवा दे रहा है।

प्रबन्ध निदेशक रविशंकर राय के साथ देश, समाज और कारोबार संबधी विभिन्न विषयों पर विस्तृत वार्ता की। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंशः

खेती-किसानी के खांटी ग्रामीण परिवेश से निकलकर शिक्षा पूरी होने के बाद पहले नौकरी करने और फिर उद्योग जगत में आने का निर्णय लेने की प्रेरणा कैसे मिली?

पारिवारिक संस्कारों के कारण देश और समाज के लिए कुछ करने की इच्छाशक्ति किशोरावस्था से ही मन में हिलोरें लेने लगी थी। वर्ष 1980 से 2000 तक 20 यानी दो दशक का समय युवाओं के लिए बेहद संक्रमणवाला था, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और बिहार दोनों राज्यों के लिए। यह इन राज्यों में बाहुबलियों और पेशेवर अपराधियों के पनपने का दौर रहा। इस समयकाल में बहुत से शिक्षित शहरी-ग्रामीण युवा विभिन्न कारणों से भटक कर, दिशाहीन-दिग्भ्रमित होकर आपराधिक गतिविधियों की तरफ आकर्षित होने लगे थे। कॉलेज के दिनों में पूर्वांचल के ऐसे परिदृष्य को बहुत निकट से देखने-समझने के बाद इसके कारणों की पड़ताल की जिज्ञासा हुई तो रोजगार का संकट और मार्गदर्शन का अभाव प्रमुख कारक प्रतीत हुए। इसके साथ ही आपराधिक संक्रमण की तरफ बढ़ रहे समाज के प्रति कुछ करने का संकल्प जागृत हुआ। और अपने साथ ही ऐसे युवाओं का करियर संवारने के इसी संकल्प की परिणिति 'सावित्री समूह' के रूप में आज सबके सामने है।

अपने उद्यम को सुदृढ़ करने के लिए आपकी प्राथमिकताएं क्या हैं?

देश और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों-दायित्वों का पूर्णतः निर्वाह करते हुए अपने हितधारकों के हितों का संरक्षण करना ही हमारी प्राथमिकता कहें कि संकल्प है। हमारा मानना-समझना है कि किसी भी क्षेत्र या उद्यम में सफल होने के लिए संकल्पबद्ध प्रयास के साथ ही उत्कृष्ट गुणवत्ता अत्यंत आवश्यक है यानी यह दोनों महत्वपूर्ण कारक होते हैं।

'सावित्री समूह' अब दूरसंचार क्षेत्र का एक प्रतिष्ठित नाम है, इसकी सफलता का श्रेय किसे देना चाहेंगे?

सावित्री समूह अभी एक पौधा है, विकसित वृक्ष बनने को हमें बहुत लम्बी यात्रा करनी है। रही बात अब तक के सफर की तो निश्चित रूप से यह किसी भी तरह अकेले दम पर संभव नहीं हो सकता। हम सभी यानी सावित्री समूह के हरेक छोटे-बड़े साथी के सामूहिक प्रयास और परिश्रम का ही सुफल है यह सब।

संक्षिप्त परिचय :-

रविशंकर राय
मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबन्ध निदेशक, 'सावित्री समूह'
जन्म, शिक्षा-करियर :- उद्यमी रविशंकर राय का जन्म वर्ष, पूर्वी उत्तर प्रदेश के सूदूर क्षेत्र गाजीपुर स्थित गांव के किसाब परिवार में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही हुई।

रविशंकर राय ने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद 1994 में अपना करियर शुरू किया। 1999 तक विभिन्न संगठनों में काम करते हुए, उन्होंने युवाओं को एक उपयुक्त नौकरी प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करते देखा था, विशेषकर जो ग्रामीण भारत से आए थे। उन्होंने युवाओं के सामने आने वाली समस्या की कल्पना की और इसे लेकर कहीं न कहीं उनके दिमाग में एक दृष्टिकोण बन रहा था, क्योंकि उन्हें लगता था कि वह इस तरह की नौकरी से समाज की सेवा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने बेरोजगार युवाओं को अपने जीवन के लिए प्रयास करते देखा था और वे उनके लिए कुछ करना चाहते थे। अंततः उन्होंने खुद एक उद्यमी बनने का फैसला किया। पूंजी की कमी भी उन्हें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने से नहीं रोक सकी। गांवों के शिक्षित युवाओं और समाज के निचले तबके के लोगों के लिए रोजगार सृजन करने के मिशन को लेकर उत्साहित इस स्व-प्रेरित व्यवसायी ने दिल्ली में एक अस्थायी मकान से अपनी शुरूआत की।

दो दशक में हुए तीन बदलाव हैं घातक

वर्तमान राजनीति और सामाजिक संदर्भ में पूछे जाने पर रवि शंकर राय कहते हैं कि पिछले 20 वर्षों में तीन बदलाव हुए हैं जो वास्तव में किसी भी सभ्य समाज के लिए बहुत घातक हैं, पहला - शिक्षा एक व्यवसाय बन गया है। दूसरा - व्यापार जल्दी पैसा बनाने का माध्यम रह गया है। सामान्यतः यहां नवाचार, जुनून, रोजगार सृजन या सामाजिक उद्देश्यों के लिए स्थान नहीं है। तीसरा - राजनीति और सामाजिक कार्य अब करियर बन गए हैं। यह अब कोई सेवा नहीं हैं। यही कारण है कि हम अब महात्मा गांधी, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सरदार बल्लभ भाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री, जय प्रकाश नारायण, राज नारायण और कपूर्री ठाकुर जैसे आदर्श व्यक्तित्व वाले जन नायक खोजने में सक्षम नहीं हो सकेंगे।

स्वयं को आज भी उद्यमी नहीं मानते रवि शंकर

वर्तमान में श्री राय विगत वर्षों में स्वयं निर्धारित लक्ष्य के तहत अपने प्रयास के माध्यम से वह न केवल व्यवसाय को सुदृढ़ बनाने में सक्षम रहे हैं, बल्कि अपनी क्षमता के अनुरूप है समाज की सेवा और सुधार में जुटे हैं। रोजगार सृजन आज भी रविशंकर राय का जुनून है और वह अपने इस जुनून में अधिक से अधिक लोगों को शामिल करने के लिए प्रेरित करते हैं, उन्हें अपना उद्यम-व्यवसाय शुरू करने में मदद करते हैं। उन्हें एक कर्मचारी बनाने के बजाय रोजगार सृजक बनने की प्रेरणा देते हैं। रवि शंकर राय स्वयं को आज भी उद्यमी नहीं मानते, वे कहते हैं वह मजबूरी में उद्यमी हैं, दिल से तो आज भी लेखक, कवि, दार्शनिक, समाज सुधारक और रोजगार सृजक ही हैं।

उद्यमिता के क्षेत्र में सफलता का परचम फहराने के साथ ही आपने समाज सेवा, सुधार और सशक्तिकरण का भी लक्ष्य निर्धारित कर रखा है, दोनों ही कार्य समय मांगते हैं। ऐसे में किस प्रकार सामंजस्य स्थापित कर पाते हैं?

कारोबारी व्यस्तता के साथ ही व्यक्ति को अपने सामाजिक कर्तव्यों-दायित्वों का निर्वहन करना भी जरूरी होता है। ऐसे में कारोबार और समाजिक कार्यों, दोनों के बीच समन्वय स्थापित करना ही होता है। हालांकि इसके लिए अलग से बहुत कुछ करने की आवश्यकता नहीं है, केवल कुशल समय प्रबंधन जरूरी है और यही किया भी जा रहा है।

समाज सेवा, सुधार और सशक्तिकरण के लिए क्या-क्या कर रहे हैं?

शिक्षा और रोजगार दोनों ही सामाजिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण कारक होते हैं। शिक्षा जहां व्यक्ति के आगे बढ़ने का माध्यम है, वहीं जीवन यापन के लिए किसी भी व्यक्ति की एक प्रमुख आवश्यकता रोजगार होती है। हमने इन दोनों में से फिलहाल दूसरे बिन्दु यानी रोजगार पर मुख्य रूप से फोकस कर रखा है। 'सावित्री समूह' की विभिन्न ईकाईयों के माध्यम से हमारे साथ वर्तमान में 1600 से अधिक कर्मचारी जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही समय-समय पर स्वास्थ्य जांच आदि का कार्य भी अपने विभिन्न कार्यक्षेत्रों में कराया जाता है। सब कुछ यदि योजनाबद्ध रूप से हुआ तो शीघ्र ही शिक्षा पर भी व्यापक स्तर पर कार्य किया जाएगा।

कंपनी के नाम में ही मिलती है महिला सशक्तिकरण की झलक

रवि शंकर राय महिला सशक्तिकरण के लिए भी काम करते रहते हैं। इसकी झलक उनकी कंपनी के नाम में भी दिखाई देती है। उन्होंने अपनी कंपनी का नाम 'सावित्री' रखा। यहां विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह है कि जिस नाम पर रवि शंकर राय ने इतना बड़ा कारोबारी साम्राज्य खड़ा किया है, उस नाम का उनके परिवार से कोई लेना-देना नहीं है यानी उनके परिवार में किसी का भी नाम 'सावित्री' नहीं है। उन्होंने 'मां सावित्री' के नाम पर ही अपनी कंपनी का नाम रखा है। इस संदर्भ में रवि शंकर राय कहते हैं कि दिन के चार पहर होते हैं और चारों पहर की एक देवी होती हैं, प्रातःकाल के प्रथत पहर की देवी सावित्री हैं, इसीलिए उन्होंने अपनी कंपनी का नाम भी 'मां सावित्री' के नाम पर रखा है।

Savitri telecom Services

मूल्यवर्धन है मूलमंत्र

सावित्री समूह का मूलमंत्र है मूल्यवर्धन अर्थात ग्राहकों, भागीदारों, उद्योग के साथ ही समाज और देश के उत्थान-कल्याण के लिए यथोचित कार्य करना।

सावित्री समूह अपने कर्मचारियों के समुचित विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है। इसी क्रम में संगठन के प्रत्येक सदस्य को स्वतंत्र रूप से सोचने, नवाचार करने और संचालित करने का अधिकार दिया गया है। इस कार्य संस्कृति ने संगठन के भीतर विश्व स्तरीय उद्यमी बनाने में काफी मदद की है, जिन्होंने कंपनी को बड़ी ऊंचाई पर पहुंचाया है। सावित्री समूह कर्मचारियों के समग्र विकास के लिए न केवल कार्य स्थल पर ही व्यापक सेवा-सुविधाएं उपलब्ध कराता है, बल्कि उन्हें स्वस्थ और संतुष्ट रखने को भी समयबद्ध विभिन्न सत्र आयोजित करता रहता है। समय-समय पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र न केवल दक्षता बढ़ाते हैं, बल्कि कर्मचारियों के जीवन को समृद्ध बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सावित्री समूह ईमानदारी से दीर्घकालिक रिश्तों पर विश्वास करता है। कंपनी की स्थापना के बाद से इसके साथी नहीं बदले हैं। यह पिछले वर्षों में जुड़े सभी साथियों को साथ लेकर आगे बढ़ा है। समूह ने लगातार खुद को उन्नत किया है और प्रौद्योगिकी, नवाचार और कौशल को अपग्रेड करने में भागीदारों की मदद की है। ज्ञान आधारित समाज बनाने के अपने प्रयास में, सावित्री समूह लोगों को सीधे स्कूल, कॉलेज और सामाजिक स्तर पर प्रशिक्षित करते हुए आगे बढ़ रहा है।

नौकरी के लिए आरक्षण भी है लागू

सावित्री समूह की एक व्यवस्था उसे अन्य उद्यमों से अलग करता है, वह है आरक्षण। यहां नौकरी के लिए यथोचित आरक्षण भी लागू है और वह भी दस-बीस फीसदी नहीं, बल्कि करीब 90 प्रतिशत। जी हां, चौंकिए नहीं! यह रिजर्वेशन समाज के उस तबके के लिए है, जो पहली नौकरी ढूंढ रहे हैं या जिन्हें सही मायनों में नौकरी की जरूरत है।

'सावित्री समूह' के विस्तार को लेकर निकट भविष्य में क्या योजना है?

'सावित्री समूह' का प्रमुख ध्येय स्थापना के समय से ही प्रतिभाशाली युवाओं को रोजगार के पर्याप्त और योग्यतानुसार व्यापक अवसर उपलब्ध कराना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आत्मनिर्भर भारत बनाने को संकल्पबद्ध हैं। प्रधानमंत्री के इसी संकल्प के अनुरूप हम वर्तमान में देश के विभिन्न राज्यों, प्रमुख रूप से उत्तर भारत में अपने कारोबार को विस्तार दे रहे हैं। इस अभियान के अंतर्गत हमारा ध्येय कारोबार को गति देना तो है ही, साथ ही हमने हजारों युवाओं को अपने संग जोड़कर रोजगार उपलब्ध कराने यानी आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य भी नियत किया है।

क्या कुछ ऐसा है जो आप विशेष रूप से उद्योग और समाज संबंधी सुधार के लिए बताना-संदेश देना चाहते हैं?

अपना मानना-समझना है कि कोई भी व्यक्ति चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो जाए, सफलता के विभिन्न मानकों-सोपानों को छू ले, कीर्तिमान स्थापित करे, लेकिन यदि वह देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाता तो सब कुछ अर्थहीन है, बेमानी है। ऐसे में हमें अपने सामाजिक कर्तव्यों-दायित्वों के निर्वहन पर व्यापक ध्यान देना चाहिए, यह हम सभी का व्यक्तिगत संकल्प होना चाहिए। क्योंकि सरकार बेशक कितनी भी कल्याणकारी योजनाएं चलाए, जन सामान्य का जीवन स्तर सुधारने के कितने भी प्रयास करे, लेकिन जब तक हम सभी देश और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों-दायित्वों का निर्वाह नहीं करेंगे हर एक वंचित नागरिक तक विभिन्न सेवा-सुविधाएं पहुंचना संभव नहीं है। देश की जनसंख्या को दृष्टिगत रखकर देखें तो यह अत्यंत आवश्यक भी है कि उद्योग-कारोबार जगत के सभी महानुभावों को अपनी क्षमता के अनुरूप समाज कल्याण में अपनी भागीदारी करनी चाहिए।